सही बातें
धारणा

आशीषानुकंपा

शताब्दी देशनाचार्य 108 श्री विशुद्धसागर जी मुनिराज

कृतिकार

श्रुतसंवेगी श्रमण आदित्यसागर जी मुनिराज

प्रकाशक

समर्पण समूह

जैन वचन सदा वदे

आशीषानुकंपा

शताब्दी देशनाचार्य 108 श्री विशुद्धसागर जी मुनिराज

कृतिकार

श्रुतसंवेगी श्रमण आदित्यसागर जी मुनिराज

संपादन / सहयोग

श्रुतप्रिय श्रमण अप्रमितसागर जी मुनिराज
सहजानंदी श्रमण सहजसागर जी मुनिराज

कृति का नाम

सही बातें
धारणा

संस्करण

2023 : 1008 प्रतियाँ

प्राप्ति स्थान

भोपाल : 91790-50222
जबलपुर : 98276-07171
इन्दौर : 98260-10104
इन्दौर : 94253-16840
भीलवाड़ा : 63766-49881

आकल्पन एवं मुद्रण
डीसेन्ट ग्राफिक्स इंदौर
मो. 98260-14047

Template by @makeupamanda

शुभाशीष...

वस्तु स्वभाव में परिणामी एवं अपरिणामी है। द्रव्य-दृष्टि से अपरिणामी व पर्याय दृष्टि से परिणामी, पर जो इस सत्य को नहीं जानता वह दूसरे के लिए बोलता है - अमुक व्यक्ति बदल गया, जबकि वह स्वयं भी बदला है। एक-ही समय में परिणाम व अपरिणाम धर्म विद्यमान रहता है, इस **सही बात** को जो जानता है, वह सत्यज्ञाता पर में दोषों का अन्वेषण नहीं करता है, अपितु वस्तु के वस्तुत्व को सम्यक् जानकर मध्यस्थ हो जाता है।

इसी भावना से ओत-प्रोत **तत्त्वान्वेषी श्रुतसंवेगी श्रमण आदित्यसागर जी ने ''सही बातें''** नामक कृति का सृजन कर वागीश्वरी के कोष को वर्धमान किया है। वे इसी प्रकार सम्यक् श्रुताभ्यास पूर्वक साहित्य-सृजन कर के संस्कृति का संवर्धन करें, यही शुभाशीष है।

ॐ नमः सिद्धेभ्यः

शताब्दी देशनाचार्य श्री 108 विशुद्धसागरजी

मेरी बात-सही बात

अनेकों चिंतकों ने अपने अभिनव, अभिजात और आत्मोन्मुखी चिंतन से इस भारतीय तत्त्वमनीषा के वाङ्मय को सुसंवर्धित किया है। वही चिंतन समीचीन-चिंतन कहलाता है, जो सिद्धांत, तर्क और पूर्वाचार्यों की कथनी से मेल खाता है।

हर व्यक्ति की बातें सही नहीं होती और हर व्यक्ति की बातें गलत भी नहीं होती, कई बार समझने का नज़रिया भी गलत होता है। इस कृति के सृजन का हेतु ऐसे ही कुछ गलत नज़रियों को सही करना है।

विश्ववंद्य प्रभु वर्धमानस्वामी के अहिंसामय सत्यार्थ सिद्धांत जन सामान्य तक पहुँचाने के लिये शब्द और भाषा दोनों ही जनपद संबंधी होना अनिवार्य है। इसी कारण से यह सृजन गुरुप्रसाद, आगमाध्ययन, स्वानुभव और स्वयुक्ति के साथ-साथ सुगम शब्द और भाषा से मैंने अभिसिंचित किया है।

आशा है लघुकृत्य के रूप में प्रस्तुत मेरी कुछ **सही बातें** चिरकाल से प्रचलित गलत बातों को चिरकाल तक सही रखने में सहायक बनेगी।

ॐ नमः सिद्धेभ्यः

श्रुतसंवेगी श्रमण आदित्यसागर जी मुनिराज

Template by @makeupamanda

सही बातें
धारणा

बड़े कामों में
विपत्तियाँ स्वाभाविक हैं,
इसलिये
विकल्प न करें
कार्य को प्रगति दें...

✍श्रुतसंवेगी आदित्यसागर

Template by @makeupamanda

सही बातें
धारणा

आप
जो कुछ भी कर रहे हैं,
वह किसके लिये कर रहे हैं
इस पर भी
विचार कीजिये...

✍श्रुतसंवेगी आदित्यसागर

Template by @makeupamanda

सही बातें
धारणा

पर के वचन हमें
तभी प्रभावित कर पाते हैं,
जब हम उन्हें
अपना मानते हैं...

✍श्रुतसंवेगी आदित्यसागर

Template by @makeupamanda

सही बातें
धारणा

गलतियों के होने पर
उनका विकल्प करने से
शांति प्राप्त नहीं होगी,
उन गलतियों को
सुधारने से ही
शांति प्राप्त होगी...

✍ श्रुतसंवेगी आदित्यसागर

Template by @makeupamanda

सही बातें
धारणा

शब्द कभी बोलते नहीं हैं
वे तो मृतक तुल्य हैं,
लेकिन
शब्दों के भरे भाव
सब कुछ बोलते हैं...

✍️श्रुतसंवेगी आदित्यसागर

Template by @makeupamanda

सही बातें
धारणा

जो कहते कम हैं
और
करते हैं ज़्यादा,
उनको कभी
दुःख और असफलता
नहीं मिलती...

✍श्रुतसंवेगी आदित्यसागर

Template by @makeupamanda

सही बातें
धारणा

ज्ञानी लोग
अपनी आलोचना को
सलाह के रूप में ग्रहण करते हैं
और
अज्ञानी
निन्दा के रूप में...

✍श्रुतसंवेगी आदित्यसागर

Template by @makeupamanda

किसी को भी
अपना मत बनाओ,
परंतु
जो आपको अपना माने
उसे जरूर अपनाओ...

Template by @makeupamandd

✍ श्रुतसंवेगी आदित्यसागर

सही बातें
धारणा

अपने किसी भी
छोटे या बड़े कार्य को
प्रचारित नहीं करना चाहिये,
ऐसा करने से
आप कभी भी
शर्मिन्दा नहीं हो पायेंगे...

✍ श्रुतसंवेगी आदित्यसागर

Template by @makeupamanda

सही बातें
धारणा

आपकी क्रियायें
आपके कार्य
किसी के लिये भी
दुःखों का हेतु न बनें,
हमें इसका विचार
हमेशा करना चाहिये...

✍श्रुतसंवेगी आदित्यसागर

Template by @makeupamanda

सही बातें
धारणा

हमारे वस्त्र
और
हमारे वचन
ऐसे होना चाहिये
जिससे दूसरों के भाव
खराब न हों,
साथ ही हमारी विशुद्धि का भी
अभाव न हो...

✍श्रुतसंवेगी आदित्यसागर

Template by @makeupamanda

नज़दीकियाँ इतनी मत बढ़ाओ
कि दूरियाँ बढ़ जायें,
दूरियाँ इतनी मत बढ़ाओ
कि नज़दीकियाँ घट जायें...

✍श्रुतसंवेगी आदित्यसागर

Template by @makeupamandal

सही बातें
धारणा

अवगुणों की हानि
और
गुणों की वृद्धि,
कुछ विरले ज्ञानी ही
कर पाते हैं...

✍श्रुतसंवेगी आदित्यसागर

Template by @makeupamanda

सही बातें
धारणा

दूसरों की गलतियाँ
दूसरों की चोट
हमें सिखाती है,
कि हमें चलना कैसे चाहिये...

✍श्रुतसंवेगी आदित्यसागर

Template by @makeupamanda

धनवान होना
कोई बड़ी बात नहीं है,
बलवान होना
कोई बड़ी बात नहीं है,
बुद्धिमान–पुण्यवान होना
बहुत बड़ी बात है...

✍श्रुतसंवेगी आदित्यसागर

Template by @makeupamandal

सही बातें
धारणा

शक्ति मात्र से
जीत संभव नहीं है,
इसलिये
जीत के लिये
शक्ति के साथ–साथ
युक्ति भी लगायें ...

✍श्रुतसंवेगी आदित्यसागर

Template by @makeupamanda

सही बातें
धारणा

कार्य की पूर्णता
होती है
पुण्य, पुरुषार्थ, प्रज्ञा
और प्रसाद से,
कार्य में विशेषता आती है
जुनून से...

✍श्रुतसंवेगी आदित्यसागर

Template by @makeupamanda

विषमलिंगी होते हैं
विष के समान,
जैसे विष के सेवन से
पर्याय का नाश होता है,
वैसे ही विषमलिंगी के भाषण से
भावों का नाश हो जाता है...

✍श्रुतसंवेगी आदित्यसागर

Template by @makeupamanda

जीवन में
प्रत्येक समय सतर्क रहें,
अगर
सतर्क नहीं रहेंगे
तो दुर्घटना का शिकार
अवश्य बनेंगे...

✍श्रुतसंवेगी आदित्यसागर

Template by @makeupamanda

सही बातें
धारणा

दोष लगाने वालों को भी
दोष मत दो,
क्योंकि
दोष उसका है
दूषित उसकी बुद्धि है
आपकी नहीं...

✍श्रुतसंवेगी आदित्यसागर

Template by @makeupamanda

सही बातें
धारणा

पर से
की गई ईर्ष्या
कल्याण का नहीं
विनाश का ही हेतु है,
अगर न मानो
तो करके देखो...

✍श्रुतसंवेगी आदित्यसागर

Template by @makeupamanda

जिनके पास
स्वयं की प्रज्ञा नहीं होती है,
वे लोग
दूसरों के बहकावे में
जल्द आ जाते हैं...

✍श्रुतसंवेगी आदित्यसागर

Template by @makeupamanda

जिनके अंदर होता है
बच्चों जैसा भोलापन
और
भक्तों जैसा पागलपन,
वे ही
आनंद का जीवन जी पाते हैं...

✍श्रुतसंवेगी आदित्यसागर

Template by @makeupamanda

कार्य तो
सरल ही होते हैं,
कठिन है निर्णय लेना
और
जिसने निर्णय लेना
सीख लिया
उसने जीत का रास्ता
खोज लिया...

✍श्रुतसंवेगी आदित्यसागर

Template by @makeupamanda

सही बातें
धारणा

कोई भी कार्य
बिना विचार के नहीं करें,
क्योंकि
विचार विहीन
और
विवेक विहीन कार्य
हानिकारक ही होते हैं...

✍️श्रुतसंवेगी आदित्यसागर

Template by @makeupamandal

असफलता बताती है
जीव के पुरुषार्थ को,
सफलता बताती है
जीव के
पुण्य और पुरुषार्थ को...

✍श्रुतसंवेगी आदित्यसागर

Template by @makeupamanda

सही बातें
धारणा

जीवन में
खट्टे भी दिन आते हैं
मीठ भी दिन आते हैं,
जो इन दोनों दिनों में
समता धारण करता है
वही जीवन जी पाता है...

✍श्रुतसंवेगी आदित्यसागर

Template by @makeupamanda

सही बातें
धारणा

अच्छा करना,
अच्छा कहना,
अच्छा सुनना,
अच्छा दिखना,
अच्छा होना
अच्छे लोगों की पहचान है ...

✍ श्रुतसंवेगी आदित्यसागर

Template by @makeupamanda

दूसरों को
दिखाने के लिये
तुम जो
श्रृंगार कर रहे हो,
वह तुम्हारी
आत्मा को
असुंदर बना रहा है...

✍श्रुतसंवेगी आदित्यसागर

Template by @makeupamanda

जैसा हम
सबके बारे में सोचते हैं,
वैसा ही सब
हमारे बारे में सोचते हों,
यह जरूरी नहीं...

✍श्रुतसंवेगी आदित्यसागर

Template by @makeupamanda

उत्तम मनुष्य
महा–विघ्नों के आने पर भी
प्रारंभ किये कार्य को
पूर्ण करते हैं...

✍श्रुतसंवेगी आदित्यसागर

Template by @makeupamanda

सही बातें
धारणा

हम कभी भी
दूसरों को
संतुष्ट नहीं कर सकते हैं,
इसलिये हमें
स्वयं की संतुष्टि का
पुरुषार्थ करना चाहिये...

✍श्रुतसंवेगी आदित्यसागर

Template by @makeupamanda

वस्तु की
आकांक्षा मत करो,
कर सको
तो उसकी प्राप्ति के लिये
प्रयास करो...

Template by @makeupamanda

✍श्रुतसंवेगी आदित्यसागर

गलतियों के भय से
कार्य को प्रारंभ न करना
सबसे बड़ी गलती है,
ये गलती
आप कई बार कर चुके हैं;
इसे दोहरायें न...

✍श्रुतसंवेगी आदित्यसागर

Template by @makeupamanda

किसी भी कार्य के प्रारंभ में
गलतियों से
बचने की कोशिश
सबसे बड़ी गलती है...

✍श्रुतसंवेगी आदित्यसागर

Template by @makeupamanda

जो मिला है तुझे
तू देख उसे,
मत देख उसे
तू चाहता है जिसे,
वरना
कीमत न रहेगी
प्राप्त वस्तु की तुझे ...

✍श्रुतसंवेगी आदित्यसागर

Template by @makeupamanda

अपने प्रियों का
हित करने के चक्कर में
अकसर
हम अपना ही
अहित कर लेते हैं...

✍श्रुतसंवेगी आदित्यसागर

Template by @makeupamanda

सही बातें
धारणा

जो जिस पद में हो
उसे उस पद के
अनुरूप ही कार्य करें,
क्योंकि
पद के अनुरूप
किया गया कार्य ही
शोभा को प्राप्त होता है...

✍श्रुतसंवेगी आदित्यसागर

Template by @makeupamanda

सही बातें
धारणा

जो वचन तुम्हें
अच्छे न लगें
उन्हें मत सुनो,
जो वचन तुम्हें
अच्छे लगें
उन्हें सुनने के साथ-साथ
गुनो भी...

✍श्रुतसंवेगी आदित्यसागर

Template by @makeupamanda

लकीर का फकीर
कभी न बनें
वरना
आपके मुख पर
दु:ख की रेखा
सदा बनी रहेगी...

✍श्रुतसंवेगी आदित्यसागर

Template by @makeupamanda

सही बातें
धारणा

शत्रु वही है
जो आपको
संकटों में डाले
और
मित्र वही है
जो संकटों से
आपको निकाले...

✍श्रुतसंवेगी आदित्यसागर

Template by @makeupamanda

सही बातें
धारणा

बड़ों के प्रति की गई
कषाय और ईर्ष्या
निश्चित ही
नीचे गिराती है
इस कुकृत्य से बचें
और
स्वयं बड़े बनें...

✍श्रुतसंवेगी आदित्यसागर

Template by @makeupamanda

कर्तव्य-अकर्तव्य का ज्ञान
जिसे है,
वही
कर्तव्य-अकर्तव्य से
रहित हो पाता है...

✍श्रुतसंवेगी आदित्यसागर

Template by @makeupamanda

सही बातें
धारणा

बड़े लाभ की
प्राप्ति के लिये
छोटे लाभों को छोड़ें
और
छोटे–छोटे संबंधों के कारण
पुराने और बड़े–बड़े संबंधों को
कभी भी न तोड़ें...

✍श्रुतसंवेगी आदित्यसागर

Template by @makeupamanda

जिनके शरीर के घाव
जल्दी नहीं भरते,
अकसर
उनके दिल के घाव भी
जल्दी नहीं भरते...

✍श्रुतसंवेगी आदित्यसागर

Template by @makeupamanda

दूसरों की
सहानुभूति पाने के लिये,
दीन-हीन बनना
किसी को कष्ट देना
ठीक नहीं है...

✍श्रुतसंवेगी आदित्यसागर

Template by @makeupamanda

सही बातें
धारणा

जैसा हम
अपने बारे में सोचते हैं
अपने बारे में चाहते हैं,
वैसा ही हमें
दूसरों के बारे में
सोचना-चाहना चाहिये...

✍श्रुतसंवेगी आदित्यसागर

Template by @makeupamanda

सही बातें
धारणा

दूसरों के द्वारा
दिये गये जख्म
शीघ्र भर जाते हैं,
परंतु
अपनों के द्वारा
दिये गये जख्म
शीघ्र नहीं भरते...

✍श्रुतसंवेगी आदित्यसागर

Template by @makeupamanda

सही बातें
धारणा

रहो सबके साथ,
मगर
किसी को भी
अपना मत मानना,
क्योंकि
दुनिया आपको नहीं
अपने स्वार्थ को चाहती है...

✍श्रुतसंवेगी आदित्यसागर

Template by @makeupamanda

बातें
सबकी सुनना चाहिये,
मगर निर्णय
अपनी बुद्धि से ही
लेना चाहिये ...

✍श्रुतसंवेगी आदित्यसागर

Template by @makeupamandd

जो मेहनत से नहीं घबराते
और
धीरज धारण करते हैं,
सफलता रूपी दासी
उनके ही चरणों में
पड़ी रहती है...

Template by @makeupamanda

✍श्रुतसंवेगी आदित्यसागर

सही बातें
धारणा

अगर आपके अंदर
प्रेम
और
दया का भाव नहीं है,
तो आपका
जन्म लेना भी सफल नहीं है...

✍श्रुतसंवेगी आदित्यसागर

Template by @makeupamanda

कभी भी
किसी की भी
उम्मीदें मत तोड़ना,
खासकर उनकी
जिनकी आप
आखिरी उम्मीद हों...

✍श्रुतसंवेगी आदित्यसागर

Template by @makeupamanda

सही बातें
धारणा

अगर आप
आज के समय की
कीमत नहीं करेंगे,
तो आने वाला समय भी
आपकी कीमत नहीं करेगा ...

✍ श्रुतसंवेगी आदित्यसागर

Template by @makeupamanda

सही बातें
धारणा

ये कभी मत सोचना
दिन कब बदलेंगे,
अपितु
ये सोचना
दिन जरूर बदलेंगे...

✍श्रुतसंवेगी आदित्यसागर

Template by @makeupamanda

ऊँचे आसन पर बैठना
ऊँचापन नहीं है,
ऊँचे भावों का होना ही
ऊँचापन है...

✍श्रुतसंवेगी आदित्यसागर

Template by @makeupamanda

मत ठगना
किसी भी सीधे इंसान को,
मेरा अनुभव है
ठगने वाला
एक दिन स्वयं ठगा जाता है...

✍श्रुतसंवेगी आदित्यसागर

Template by @makeupamanda

सही बातें
धारणा

जो माता-पिता
अपने बच्चों के
मित्र बन जाते हैं,
उनके बच्चे
कभी भी
बिगड़ नहीं पाते हैं...

✍श्रुतसंवेगी आदित्यसागर

Template by @makeupamanda

बीते हुये
कल को देखोगे
तो आज भी
बीत जायेगा...

✍श्रुतसंवेगी आदित्यसागर

Template by @makeupamanda

दु:खों के आने पर
घबराना नहीं,
क्योंकि
सुखों के आने की
सूचना देने
दु:ख ही आया करते हैं...

✍श्रुतसंवेगी आदित्यसागर

Template by @makeupamanda

तुझे जो भी मिला,
मिलेगा,
मिल रहा है,
उसका कारण
तुम स्वयं ही हो...

✍श्रुतसंवेगी आदित्यसागर

Template by @makeupamanda

सही बातें
धारणा

जो भी प्राप्त हो
उसे ही
पर्याप्त मानकर जियो,
शांति का अनुभव
जरूर मिलेगा...

✍श्रुतसंवेगी आदित्यसागर

Template by @makeupamanda

सही बातें
धारणा

जो
अहंकार के मुखौटे
उतार देते हैं,
सम्मान की माला
उन्हें ही पहनना चाहिये...

✍ श्रुतसंवेगी आदित्यसागर

Template by @makeupamanda

सुख में फूलना
और
दु:खों में कूलना,
समझदारी नहीं
कमज़ोरी ही है...

✍श्रुतसंवेगी आदित्यसागर

Template by @makeupamanda

अपनी ज़िंदगी का लक्ष्य
जरूर निर्धारित करें,
अगर
लक्ष्य नहीं
तो ज़िन्दगी भी
किसी काम की नहीं...

✍श्रुतसंवेगी आदित्यसागर

Template by @makeupamanda

सही बातें
धारणा

किसी भी चीज़ का
निषेध मत करो,
हमेशा
विधि का कथन करो,
क्योंकि
निषेध में आकर्षण है...

✍श्रुतसंवेगी आदित्यसागर

Template by @makeupamanda

सही बातें
धारणा

स्वतंत्र होकर भी
तुम परतंत्र हो,
क्योंकि
खुद की जगह
दूसरों को देखने में मगन हो...

✍श्रुतसंवेगी आदित्यसागर

Template by @makeupamanda

सही बातें
धारणा

जो लोग
दिये हुये वचन निभाते हैं,
वो ही लोग
अच्छे लोगों की
श्रेणी में आते हैं...

✍श्रुतसंवेगी आदित्यसागर

Template by @makeupamanda

अगर आपके अंदर
दया की कमी है
तो समझ लेना
आपके पास
पापों की कमी नहीं है...

✍श्रुतसंवेगी आदित्यसागर

Template by @makeupamanda

सही बातें
धारणा

दूसरों के लिये
आप कई बार मरे हैं,
एक बार
अपने लिये भी मरिये...

✍श्रुतसंवेगी आदित्यसागर

Template by @makeupamanda

केवल
चरित्र पढ़ने से
कुछ नहीं होगा,
चरित्र पढ़कर
चारित्र धारण करने से ही
कल्याण होगा...

✍श्रुतसंवेगी आदित्यसागर

Template by @makeupamanda

बड़े आश्चर्य की बात है
दुःख
किसी को पसंद नहीं है,
पर
दुःख देना
हर किसी को पसंद है...

✍श्रुतसंवेगी आदित्यसागर

Template by @makeupamanda

रिश्ते बनाना सरल है
कठिन है उन्हें निभाना,
इसलिये
रिश्ते बनाने के साथ-साथ
उन्हें निभाना भी सीखिये...

✍श्रुतसंवेगी आदित्यसागर

Template by @makeupamanda

धन के संग्रह से
मनुष्य कभी
सुख–शांति को
प्राप्त नहीं पाता,
सुख–शांति तो मिलती है
संतोष और समता से...

✍श्रुतसंवेगी आदित्यसागर

Template by @makeupamanda

इस जगत में
मूर्खों के धन का प्रयोग
बुद्धिमान लोग ही करते हैं...

✍श्रुतसंवेगी आदित्यसागर

Template by @makeupamanda

अपने फायदे
और
नुकसान की चिंता
मूर्खों को नहीं होती,
इसीलिये तो
वे मूर्ख हैं...

✍श्रुतसंवेगी आदित्यसागर

Template by @makeupamanda

अगर आपकी
आय और व्यय में
अंतर नहीं है,
तो एक दिन आपके व्यय
आपको ही
आय रहित कर देंगे...

✍श्रुतसंवेगी आदित्यसागर

Template by @makeupamanda

सही बातें
धारणा

नीति मिश्रित शब्द में
अनुभव होते हैं
पर सीख भी
बहुत भारी होती है;
इसलिये
नीति मिश्रित शब्दों को
श्रवण करें ...

✍श्रुतसंवेगी आदित्यसागर

Template by @makeupamanda

देह का पुरुषार्थ
और
बुद्धि का कौशल,
अगर समय पर
दिखाया जाता है,
तो ही
सफलता हाथ लगती है...

Template by @makeupamanda

✍श्रुतसंवेगी आदित्यसागर

गलती कभी करो नहीं
हो जाये तो डरो नहीं,
मगर
वो ही गलती
दोबारा करो नहीं...

✍श्रुतसंवेगी आदित्यसागर

Template by @makeupamanda

अपना
अच्छा चाहने के लिये
दूसरों का
अच्छा न होने देना,
अच्छा नहीं बुरा ही है...

✍श्रुतसंवेगी आदित्यसागर

Template by @makeupamanda

सही बातें
धारणा

जिनके
भाव खोटे होते हैं,
वो ही
दूसरों की खोट गिनाते हैं...

✍श्रुतसंवेगी आदित्यसागर

Template by @makeupamanda

अगर आपसे
कोई नफरत नहीं करता,
समझ लेना
आपकी ज़िंदगी
बहुत उदासीन है...

✍श्रुतसंवेगी आदित्यसागर

Template by @makeupandd

सही बातें
धारणा

अच्छे कार्यों में
विद्वता और उदारता
जितनी सराहनीय होती है
अहंकार और जल्दबाज़ी
उतनी ही हानिकारक भी होती है...

✍श्रुतसंवेगी आदित्यसागर

Template by @makeupamanda

सपने तो
बहुत लोग देखते हैं,
लेकिन
पूरे उन्हीं के होते हैं
जो सपनों के लिये
अपनों को नहीं छोड़ते हैं...

✍श्रुतसंवेगी आदित्यसागर

Template by @makeupamanda

रक्षा बंधन का
सही मतलब
वो ही समझते हैं
जिनकी बहन नहीं होती,
या फिर वो
जिनका भाई नहीं होता...

✍श्रुतसंवेगी आदित्यसागर

Template by @makeupamanda

जीतने वाले
कभी नहीं सोचते
'क्या नहीं है' उनके पास,
वे सोचते हैं
'उनके पास क्या है'
जिससे जीत को
अपना बनाया जा सके...

Template by @makeupamanda

श्रुतसंवेगी आदित्यसागर

जो कई बार हारकर
एक बार जीतता है,
उसे कई लोग मिलकर
कई बार में भी
हरा नहीं पाते हैं...

✍श्रुतसंवेगी आदित्यसागर

Template by @makeupamandd

जीतने के लिये
सोचें थोड़ा हटके,
जीतते तो कई लोग हैं
लेकिन प्रसिद्धि
हटके चलने वालों की होती है...

✍श्रुतसंवेगी आदित्यसागर

Template by @makeupamandd

सही बातें
धारणा

किसी भी काम को
करने से पहले
उसके बारे में सोचें
उसे अच्छे से समझें,
ताकि
आपके हाथ से
कोई गलत काम न हो पाये...

✍श्रुतसंवेगी आदित्यसागर

Template by @makeupamanda

निन्दा
जिन्दा व्यक्ति को भी
मार देती है,
शरीर भले ही जिन्दा रहे
पर निन्दा से
इंसानियत जरूर मर जाती है...

Template by @makeupamanda

✍श्रुतसंवेगी आदित्यसागर